International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.340, Volume 03, No. 01, January - March, 2021, pp.267-272

कोविड – 19 और भारतीय अर्थव्यवस्था

श्री सत्यनारायण खींची*

सार

वर्तमान समय में विश्व एक कठिन दौर से गुजर रहा है और विश्व के अनेक देश इस समय कोरोना वायरस महामारी का सामना कर रहे है जिसे कोविड – 19 कहा जाता है। कोविड–19 बीमारी का जन्म चीन देश के वुहान प्रांत में हुआ था। 17 नवम्बर 2019 को चीन के वुहान शहर में पहला कोविड–19 का केस सामने आया था। हुबई प्रांत के अस्पतालों में पहुंचे शुरूआती मरीजों में से ज्यादातर वुहान के हुआनान सी–फूड मार्केट से जुडे थे। पुरी दुनिया चीन को कोविड–19 वायरस के फैलाव का दोषी मानती है लेकिन आज यह महामारी हर महाद्वीप में फैल चुकी है कोविड–19 के संक्रमण के कारण विश्व के कई देशो ने अपने बंदरगाह हवाई अड्डे इत्यादि बंद कर दिए है। प्रमुख व्यापारिक भागीदारों के बीच आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण अधिकांश देशों ने अपने उत्पादन को चीन से बाहर स्थानांतरित कर दिया है। विश्व के कई देशों ने चीन से आयात–निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। चीन विश्व में कच्चे माल का प्रमुख उत्पादक और आपूर्तिकर्ता है जो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर प्रतिबंध के कारण पूरे विश्व में विनिर्माण गतिविधि को प्रभावित करता है। भारत में कोविड–19 के प्रसार के कारण सरकार ने दूसरे देशों से व्यापार बंद कर दिया है जिसमें मुख्य रूप से चीन है, जिससे देश की विनिर्माण गतिविधि और अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है साथ ही देश के विकास की गति भी अवरूद्ध हुई है। कोरोना वायरस के चलते लगे लम्बी अवधि के लॉकडाउन ;सवबाकवूदद्ध से देश की अर्थव्यवस्था थम–सी गई है। साल की पहली तिमाही अप्रैल–जून में जीडीपी में 23.9 फीसदी गिरावट दर्ज की गई है जिसके कारण देशभर के सुक्ष्म और लघु उद्योग को बड़ा झटका लगा है। निर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में 50 फीसदी, विनिर्माण क्षेत्र में 39 फीसदी, सेवाओं (होटल और हॉस्पिटेलिटी) में 47 फीसदी गिरावट आई है और अब कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि साल 2022–23 में जीडीपी में सुधार देखने को मिलेगा।

बीज शब्दः *कोविड–19, महामारी, अर्थव्यवस्था, विनिर्माण, जीडीपी, व्यापार।*

———————————————

प्रस्तावना

सम्पूर्ण विश्व सन् 1930 की मंदी के अवसाद के बाद अब कोरोना वायरस की वैश्विक महामारी से जूझ रहा है। इससे लगभग विश्व के सभी देशों की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। इस वैश्विक महामारी के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था की आर्थिक गतिविधियों में अचानक मंदी ने आर्थिक विकास की दर को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है और भारतीय अर्थव्यवस्था को कई वर्ष पीछे कर दिया है। कोरोना वायरस के चलते लगे लंबी अवधि के लॉकडाउन से देश की अर्थव्यवस्था थम–सी गई है और इस साल की पहली तिमाही (अप्रैल–जून) में जीडीपी में 23.9 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है जिसके कारण देशभर में सूक्ष्म और लघु उद्योगों को बड़ा झटका लगा था। निर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में 50 प्रतिशत, विनिर्माण क्षेत्र में 39 प्रतिशत, सेवाओं(होटल और हॉस्पिटैलिटी) में 47 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई थी। प्रो. जॉन मेनार्ड कीन्स ने अपने रोजगार सिद्धांत का प्रतिपादन अपनी प्रसिद्ध पुस्तक जनरल थ्योरी ऑफ इम्प्लॉयमेंट में किया

[6] सहायक आचार्य (ई.ए.एफ.एम), राजकीय कन्या महाविद्यालय, टोंक, राजस्थान।

है। मंदी या अवसाद की स्थिति में बेरोजगारी अर्थव्यवस्था में समग्र माँग या समग्र व्यय की कमी के कारण होती है। इस प्रकार समग्र व्यय की वृद्धि के द्वारा बेरोजगारी में कमी लायी जा सकती है। अर्थव्यवस्था में व्यय की वृद्धि तथा अर्थव्यवस्था को अवसाद से बाहर निकालने के लिए कींस पहले अर्थशास्त्री थे जिन्होंने सरकारी व्यय पर बल दिया।

केन्द्रीय बैंक के अनुसंधानकर्ताओं ने तात्कालिक पूर्वानुमान विधि का प्रयोग करते हुए अनुमान लगाया है कि दूसरी तिमाही (जुलाई–सितम्बर) में संकुचन 8.6 प्रतिशत तक रहेगा। आर.बी.आई. ने पहले से अनुमान लगा रखा है कि चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी में 9.5 प्रतिशत की गिरावट हो सकती है, साथ ही यह भी कहा गया है कि गतिविधियाँ धीरे–धीरे सामान्य हो रही हैं और इसके साथ ही संकुचन की दर भी कम हो रही है। इससे स्थिति जल्द ही बेहतर हो सकेगी। आर. बी. आई के अधिकारी श्री पंकज कुमार की ओर से तैयार की गई यह पूर्वानुमान रिर्पोट आर.बी.आई. की मासिक बुलेटिन में प्रकाशित हुई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत तकनीकी रूप में वर्ष 2020–21 पहली छमाही (अप्रैल–सितम्बर) में अपने इतिहास में पहली बार आर्थिक मंदी के दौर में चला गया है। अब भारतीय अर्थव्यवस्था को वित्तीय संकट, शिक्षा, स्वास्थ्य संकट, बेरोजगारी, गरीबी, कीमतो में गिरावट इत्यादि की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

इस शोध का उद्देश्यः–

- भारत में कोरोना वायरस के प्रसार के बारे में अध्ययन करने के लिए।
- भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोविड–19 के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए।
- भारत के आर्थिक विकास की अवधि में कोविड–19 की चुनौतियो का विश्लेषण करने के लिए।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोरोना वायरस के दुष्प्रभाव

- **कृषि क्षेत्र मेंः–** पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इण्डिया और सेंटर फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर द्वारा मई के पहले दो हफ्तों के अध्ययन में पाया कि पिछले महीने में 10प्रतिशत किसान अपनी फसल नहीं काट सके तथा 60प्रतिशत किसान ने कटाई परन्तु उपज की कमी की सूचना दी। चाय उद्योग के अंतर्गत राजस्व में महत्वपूर्ण गिरावट आई। छोटे किसानों पर लॉकडाउन का असर अधिक देखने को मिला तथा उनके कृषि खर्चो में वृद्धि हुई।
- **विनिर्माणः–** भारत में प्रमुख कंपनियों जैसे लार्सन एंड टुबो, भारत फोर्ज, अल्ट्राटेक सीमेंट, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, आदित्य बिड़ला समूह, टाटा मोटर्स और थर्मैक्स के फैशन और रिटेल विंग ने देश भर में कई विनिर्माण सुविधाओं और कारखानों में अस्थायी रूप से निलंबित या काफी कम परिचालन किया गया। भारत में आई–फोन, सभी दोपहिया और चार–पहिया कंपनियो ने लॉकडाउन के कारण उत्पादन पर रोक लगा दी।
- **कपड़ा और परिधान क्षेत्र मेंः–** इस क्षेत्र का देश की जीडीपी में 3 प्रतिशत योगदान है। इस क्षेत्र में भारत पूर्ण रूप से चीन पर आश्रित है। सारा कच्चा माल सिंथेटिक फेब्रिक, सिंथेटिक यार्न, बटन, जिपर, हेंगर, चीन से आयात किया जाता है। पहली तिमाही(अप्रैल–जून) में इस क्षेत्र में 10 से 12 प्रतिशत की गिरावट आई जिससे 4.50 करोड़ लोगों की जॉब अस्थायी रूप से चली गई थी।
- **कच्चा माल एवं स्पेयर पार्ट्स के क्षेत्र मेंः–** भारत चीन से लगभग 57 प्रतिशत इलेक्ट्रोनिक उपकरणों का आयात करता है। लॉकडाउन की वजह से 45 प्रतिशत आयात कम हुआ है। इस समस्या से निपटने के लिए भारत ने घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दिया है।
- **मोटर वाहन के क्षेत्र मेंः–** पिछले दो सालों से इस क्षेत्र की मांग की गति धीमी थी। भारत चीन से लगभग 30 प्रतिशत मोटर वाहनों के कल–पुर्जे आयात करता है। लॉकडाउन के कारण मोटर वाहन क्षेत्र में उत्पादन और कम हुआ है।

- **ई–वाणिज्य के क्षेत्र में:–** ई–वाणिज्य के अंतर्गत फ्लिपकार्ट, अमेजन, मिन्त्रा, आदि की लॉकडाउन के कारण सेवाएँ बंद कर दी गई जिससे सरकार के राजस्व की हानि हुई और लाखों लोग अस्थायी रूप से बेरोजगार हुए।
- **प्रतिदिन काम आने वाली उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्र में:–** लॉकडाउन के कारण प्रतिदिन काम में आने वाली वस्तुओं की मांग बढ़ गई जिससे बाजार में इनकी कमी हो गई और कीमतों में बढ़ोतरी हो गई जिससे आम आदमी की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं हो सकी।
- **भवन और निर्माण क्षेत्र में:–** रियल इस्टेट क्षेत्र में लॉकडाउन के कारण कई परियोजनाएँ बंद हो गई और लगभग 30 प्रतिशत लोगों को अस्थायी रूप से जॉब से हाथ धोना पड़ा।
- **रसायन और पेट्रोकेमिकल के क्षेत्र में:–** भारत विश्व में इस क्षेत्र में छठा स्थान रखता है। रसायन उद्योग के अंतर्गत सन् 2018–19 में 3.5 प्रतिशत की हिस्सेदारी थी। लॉकडाउन में बंद हो जाने के कारण इसका उत्पादन कम हो गया।
- **रोजगार के क्षेत्र में –** कोविड–19 की महामारी से निपटने के लिए लगाए गए लॉकडाउन ने बड़े पैमाने पर बेरोजगारी की समस्या को और बढ़ा दिया। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनॉमी के आंकड़ो के अनुसार अप्रैल के पहले हफ्ते में बेरोजगारी दर 23 फीसदी तक पहुँच गई थी, तकरीबन 12 करोड़ नौकरियो के जाने की बात कही गयी। उस दौरान देश में कुल 40.4 करोड़ रोजगार उपलब्ध थे जिसमें 8.12 करोड़ रोजगार वेतन भोगी थे बाकी बचे 32 करोड़ रोजगार वे थे जो दैनिक मजदूरी या स्वरोजगार थे।
- **शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में:–** लॉकडाउन के कारण भारत में लगभग 39931 कॉलेज और 933 विश्वविद्यालय (2018–19) बंद रहे हैं जिससे शैक्षणिक कार्य प्रभावित हुआ।
- **पर्यटन के क्षेत्र में –** भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है। राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.23 प्रतिशत और भारत के कुल रोजगार में 8.78 प्रतिशत का योगदान है।

STATEMENT I: INDEX OF INDUSTRIAL PRODUCTION - SECTORAL
(Base : 2011-12=100)

Month	Mining (14.372472)		Manufacturing (77.63321)		Electricity (7.994318)		General (100)	
	2019-20	2020-21	2019-20	2020-21	2019-20	2020-21	2019-20	2020-21
Apr#	107.8	78.8	126.2	42.1	162.9	125.6	126.5	54.0
May#	110.1	87.6	135.8	84.4	176.9	150.6	135.4	90.2
Jun#	106.5	85.7	129.0	107.1	173.6	156.2	129.3	107.9
Jul#	100.2	87.4	133.7	118.2	170.5	166.3	131.8	117.6
Aug#	92.0	83.7	128.4	118.3	165.7	162.7	126.2	116.9
Sep#*	86.4	87.6	126.0	125.3	158.7	166.4	122.9	123.2
Oct	99.5		126.3		145.8		124.0	
Nov	112.7		130.6		139.9		128.8	
Dec	120.9		135.4		150.3		134.5	
Jan	124.3		137.9		155.6		137.4	
Feb	123.3		134.2		153.7		134.2	
Mar	131.0		111.6		146.9		117.2	
Average Apr-Sep	100.5	85.1	129.9	99.2	168.1	154.6	128.7	101.6
Growth over the corresponding period of previous year								
Sep#*	-8.6	1.4	-4.3	-0.6	-2.6	4.9	-4.6	0.2
Apr-Sep	1.0	-15.3	1.0	-23.6	4.0	-8.0	1.3	-21.1

निम्न आरेख (डायग्राम) की मदद से अर्थव्यवस्था पर कोविड–19 के दुष्प्रभाव को समझने का प्रयास करेंगे।

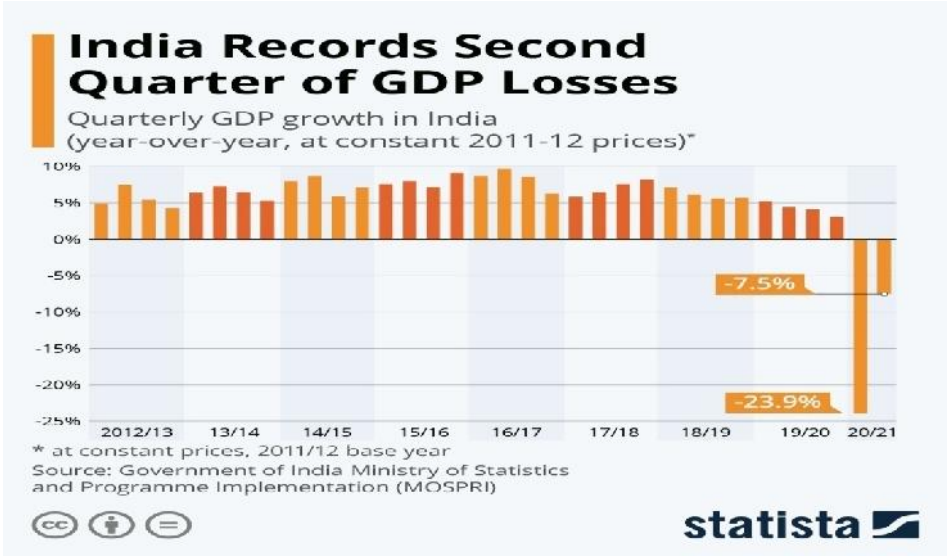

भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोरोना वायरस के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए किये गए प्रयासः–

- **यूपीआई और आधार आधारित पेमेंट्सः–** माइक्रोसॉफ्ट नामक कंपनी के सह संस्थापक तथा अध्यक्ष बिल गेट्स ने एक टीवी चैनल को दिए गए अपने इण्टरव्यू में माना है कि यूपीआई और आधार आधारित डिजिटल पेमेंन्ट भारत सरकार द्वारा उठाया गया एक सराहनीय कदम है, जिससे जीएसटी कलेक्शन पिछले वर्ष 2019 के नवम्बर माह से 1.42 प्रतिशत ज्यादा रहा है इससे सरकार की आय में वृद्धि हुई है और कोविड–19 का संक्रमण भी कम हुआ है।
- **लॉकडाउनः–** भारत कोरोना वायरस की महामारी से बचाव के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 मार्च 2020 को देश को लॉकडाउन में रहने का आदेश दिया।

चरण	अवधि	दिवस
प्रथम चरण	25/03/2020 से 14/04/2020	21 दिन
द्वितीय चरण	15/04/2020 से 3/05/2020	19 दिन
तृतीय चरण	04/05/2020 से 17/05/2020	14 दिन
चतुर्थ चरण	18/05/2020 से 31/05/2020	14 दिन
पॉचवा चरण	1/06/2020 से 30/06/2020	30 दिन

इस लॉकडाउन के अंतर्गत लोगो को अपने घरों से बाहर निकलने से रोका गया। अस्पतालों, बैंको, किराने की दुकानों और अन्य आवश्यक वस्तुओं को छोड़कर सभी गैर–आवश्यक सेवाएँ और दुकानें बंद रहने का आदेश पारित किया गया।

- **मीडिया और अन्य विभागः–** पूरे देश में कोरोनावायरस के संक्रमण को रोकने के लिए न्यूज चैनल, अखबार, सरकारी संस्थानों, सार्वजनिक स्थल, सरकारी विभागों की वेबसाईट इत्यादि के माध्यम से लोगो को जागरूक किया गया।
- **मास्क वितरण एवं सेनेटाईजेशनः–** पूरे देश में सार्वजनिक स्थलों पर जगह–जगह मास्क वितरण, सेनेटाईजेशन, हाथ को धोने के लिए साबुन व पानी की व्यवस्था की गई जिसमें सरकारी, गैर–सरकारी संस्थाएँ, एनजीओ, राजनैतिक दल, स्कूल व कॉलेज के छात्र, एनएसएस, एनसीसी, ईबीएसबी के छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।
- **ई–सेमिनारः–** ऑनलाईन ई–सेमिनार, वेबीनार, कविताएँ, चार्ट–पोस्टर, स्लोगन, क्विज का आयोजन करवा कर लोगो को कोविड़–19 के प्रति जागरूक किया गया।
- **गरम मसाला एवं आयुर्वेदिक काढ़ाः–** भारत के गरम–मसालों के निर्यात में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है लोगों का मानना है गरम मसाला एवं काढ़ा के उपयोग से रोग–प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है।
- **आरोग्य सेतु एपः–** भारत सरकार का यह एप लोगों को कोरानावायरस के संक्रमण के खतरे और जोखिम का आकलन करने में मदद करता है। आरोग्य सेतु एप के लॉन्च होने के कुछ ही समय में करोड़ो लोगों ने इसे डाउनलोड किया है। यह एप एंड्रायड और आईफॉन दोनों तरह के स्मार्टफोन पर डाउनलोड किया जा सकता है। यह एक खास एप है, यह आस–पास मौजूद कोरोना पॉजिटिव लोगों के बारे में पता लगाने में मदद करता है।
- **आत्मनिर्भर भारत अभियानः–** माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में कोविड़–19 महामारी से लड़ने के लिए 12 मई 2020 को 20 लाख करोड़ रूपये के विशेष आर्थिक और व्यापक पैकेज की घोषणा की, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 10 प्रतिशत के बराबर है। उन्होंने 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने आत्म निर्भर भारत के चार स्तंभो– अर्थव्यवस्था, प्रणाली, युवा आबादी और मॉग को भी रेखांकित किया। माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने आत्मनिर्भर भारत पैकेज पर 13 मई से 17 मई 2020 तक निरंतर प्रेस कान्फ्रेंस के जरिये विवरण प्रस्तुत किया।
- **अभियानः–** मास्क ही वैक्सीन है, ''नो मास्क नो एन्ट्री'' जन आन्दोलन, मोबाईल पर सम्पूर्ण भारत में उपभोक्ता द्वारा कॉल करने पर कोरोना जागरूकता हेतु सलाह इत्यादि।

निष्कर्ष

डब्ल्यूएचओ द्वारा 222 देशों के सर्वे के अनुसार 20 दिसम्बर 2020 को कोरोना से संक्रमित मरीजों की संख्या 75110651 थी जिसमें से 1680395 मरीजों की मृत्यु हो चुकी है ऐसे ही भारत के संदर्भ में मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड वेलफेयर भारत सरकार के अनुसार 1 दिसम्बर 2020 को प्राप्त आंकड़ो के अनुसार कुल एक्टिव केस 435606(4.60 प्रतिशत), डिस्चार्ड 8889585(93.94 प्रतिशत) और मृत्यु 137621(1.45 प्रतिशत) थी। कोरोना वायरस

महामारी के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था का हर क्षेत्र प्रभावित हुआ है जिससे विकास की गति अवरूद्ध हुई है। देश की अर्थव्यवस्था मंदी की स्थिति में पहुंच गई है। देश पहले से ही बेरोजगारी की स्थिति से जूझ रहा था, इस महामारी ने बेरोजगारी की स्थिति को दुगुना कर दिया है लेकिन किसी भी घटना के कारण हमें कुछ न कुछ सीखने को मिलता है, कुछ प्रभाव सकारात्मक होते है और कुछ प्रभाव नकारात्मक सामने आते है। नकारात्मक प्रभाव के अंतर्गत देश में मंदी की स्थिति पूँजी निर्माण में कमी, आर्थिक विकास की दर में कमी, बेरोजगारी, वित्तीय संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य संकट इत्यादि और सकारात्मक प्रभाव के अंतर्गत घर से कार्य करने की संस्कृति का जन्म, देश को अपनी स्थिति का आकलन, डिजिटलाईजेशन में वृद्धि, आत्म निर्भर भारत, ऑनलाईन शिक्षा, ऑनलाईन सेवाओं में वृद्धि इत्यादि। अतः हमे सकारात्मक सोच रखते हुए देश की लगभग 1 अरब 38 करोड़ जनसंख्या को कोरोना वायरस का डट कर सामना करना चाहिए।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

~ राजस्थान सुजस, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, जयपुर (सितम्बर–अक्टुबर 2020)

~ द हिन्दू, महामारी मार्गदर्शिका (ई–पुस्तक) आर प्रसाद, बिंदु राजन, पेरप्पडान, ज्योति शेलार, जैकब कोशी

~ रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया बुलेटिन रिपोर्ट 12/2020

~ डॉ0 जयन्तीलाल भण्डारी, अर्थशास्त्री का लेख 12/2020

~ डॉ0 लक्ष्मीलाल साल्वी, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर (राज0), रिसर्च एनालिसिस एंड इवोल्यूशन, रिसर्च पेपर, 8/2020

~ कथरीना बुचोलज़, स्टटिस्टा (डाटा जर्नलिस्ट)

~ जापानी ब्रोकरेज फर्म नोमुरा एशिया आउटलुक 2020–21 रिपोर्ट

~ श्रीकांत चौहान, ई वी पी, कोटक सि., रिपोर्ट, पब्लिश दैनिक भास्कर

~ शिशिर बैजल, सीएमडी, नाइट फ्रैंक इंडिया

~ विकेश गुलाटी, प्रेसिडेंट, फाडा, 09/2020, रिपोर्ट, पब्लिश दैनिक भास्कर

~ विक्रांत सिंह, अध्यक्ष, फाइनेंस एंड इकॉनोमिक्स थिंक काउंसिल, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

~ वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की प्रकाशित रिपोर्ट 2020

~ अग्रवाल ए., गुप्ता एस. एंड ओझा एम. के. 2019, एवलूशन ऑफ की चेलन्जेस टू इन्डस्ट्री 4.0 इन इण्डिया।

~ मार्च, 2020 से दिसम्बर 2020 तक विभिन्न समाचार पत्रों जैसे– इकॉनोमिक्स टाईम्स, टाईम्स ऑफ इण्डिया, फाइनेंशियल एक्सप्रेस, राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर, प्रभा साक्षी, अमर उजाला, इत्यादि में प्रकाशित कोविड–19 से सम्बन्धित विशेष लेख, टिप्पणियाँ एवं सम्पादकीय से एकत्रित की गई सामग्री।

~ मार्च 2020 से दिसम्बर 2020 तक प्रसारित विभिन्न न्यूज चैनलों जैसे एनडीटीवी, बीबीसी, आजतक में प्रसारित न्यूज।

~ RBI, WHO, IMF, Ministry of Health & Family Welfareपर प्रसारित रिपोर्ट।

~ भारत सरकार, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट।.

❖◆❖